# मानमिन समाचार

रजि.न. DELHIN/2016/70497 साप्ताहिक

अकं 41, वर्ष 2 07 अगस्त 2017 पेज 1


# परमेश्वर चाहता है कि सभी लोग उद्धार प्राप्त करें

*"स्वर्ग और नर्क" संदेश श्रृखंला संसार भर में असंख्य आत्माओं में परिवर्तन ला रही है।*

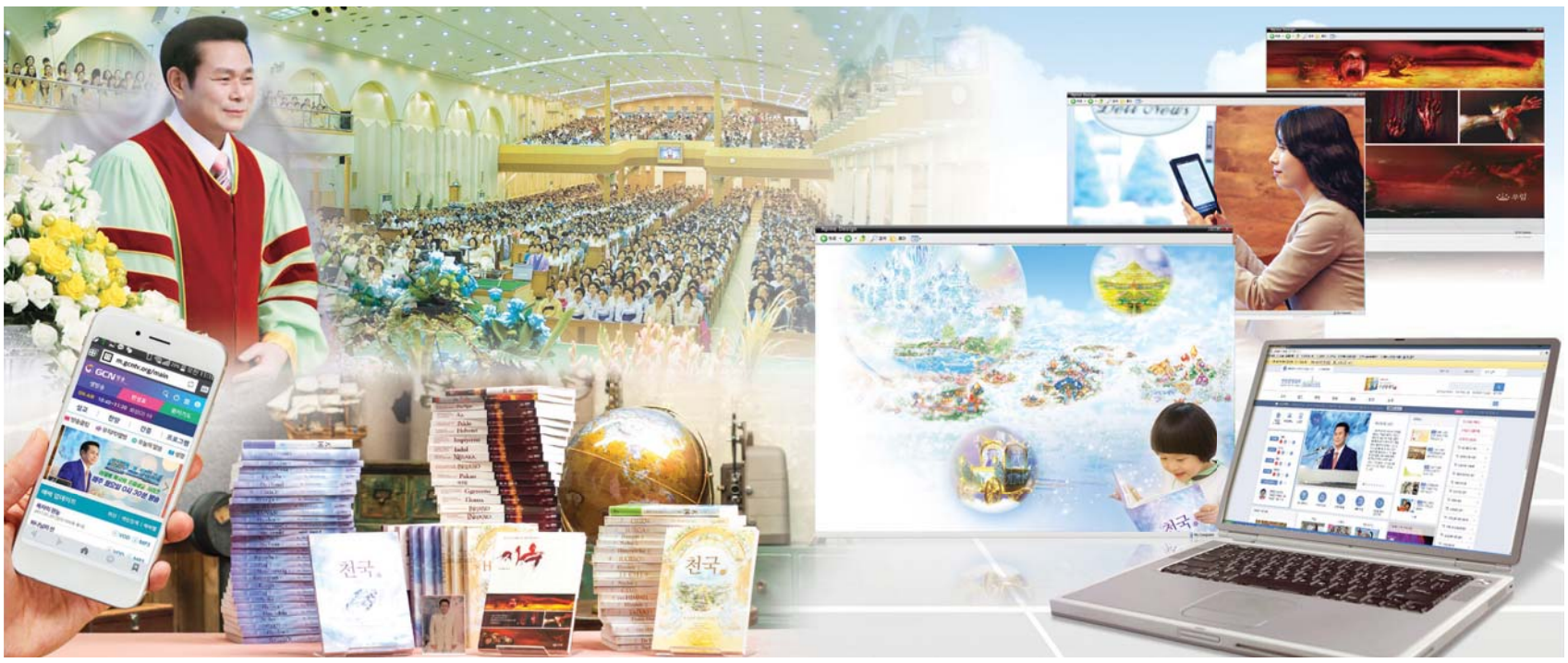

मृत्यु के बाद, हमारी देह को दफनाया जाता है, परन्तु हमारी आत्मा अविनाशी है और वह एक अलग स्थान में निवास करेगी। हम या तो सुन्दर स्वर्ग में निवास करेंगे या फिर भयानक नर्क में।

मई 1984 से, परमेश्वर ने सिनियर पास्टर डा. जेरॉक ली को स्वर्ग के बारे में विस्तृत स्पष्टिकरण दिया। उस विवरण में, स्वर्गीय जीवन, अदन की वाटिका और स्वर्गीय प्रतीक्षास्थल शामिल है।

यह साफतौर पर प्रकट किया गया कि निवास स्थान प्रत्येक व्यक्ति के विश्वास के परिमाण के अनुसार नियुक्त किये जाते है जिसमें स्वर्गलोक उनके लिये है जो मुश्किल से उद्धार प्राप्त करतें है और नया येरूशलेम उनके लिये है जो पवित्र बन चुके है और जिन्होने सभी बातों मे विश्वायोग्यता से कार्य किये।

डा. ली ने दो बार स्वर्ग के संदेशो के ऊपर प्रचार किया जिसमें पहली बार 30 संदेशो पर और दूसरी बार 59 संदेशो पर प्रचार किया गया।

इसके साथ, परमेश्वर ने उन्हे नर्क का भी पूरा ब्योरा दिया। अंततः स्वर्ग और नर्क संदेश श्रृखंलाओं को संसार भर में पुस्तकों, टेलीविज़न, और इंटरनेट के माध्यम से पहुँचाया गया है। उनके द्वारा असख्ंय आत्माओं को जागृत किया गया जो कि आत्मिक नींद मे थी और उद्धार की ओर नेतृत्व किया गया।

ताइवान मानमिन चर्च से, बहन चेसुसन, उम्र 35 वर्ष, ने कहा कि, "चर्च की ओर मेरा मार्गदर्शन करने पर जब मैने स्वर्ग और नर्क के उपदेशों को सुना तो मैने एहसास किया कि यदि मै निरंतर अपनी इच्छानुसार संसारिक आंनद में लीन रहती तो मै नर्क में चली जाती। मैने संसार के लिये अपनी इच्छाओं को खत्म कर किया और उग्रतापूर्वक प्रार्थना करने की कोशिश की। मैने अपने मन में शान्ति और स्वर्ग की आशा प्राप्त की।" परमेश्वर जिसने उसे सच्चा आनन्द दिया उसने उसके प्रेम को अपने परिवार में पहुँचाया और चर्च आने में उनकी अगुवाई की वितरण किया है। उसके पिता जो कि पागलपन की गंभीर स्थिति में थे, डा. ली के द्वारा उनके फोटो पर प्रार्थना के बाद उन्होने चंगाई प्राप्त की।

भाई एलेकांडर ताबारंनू, उम्र 32, मोलडोवा से, टी बी एन रशिया पर डा. ली के नर्क के ऊपर संदेशो को सुना और अपने जीवन में एक बड़ा परिवर्तन महसूस किया। उसने कहा कि, वह पापों के कारण अपने दिनों को दर्द में गुजार रहा था हॉलाकि उसने सोचा था कि वह एक अच्छा मसीह जीवन जी रहा है। जब उसने सुना कि नर्क में लोगों को आग से नमकीन किया जाऐंगा, तो उसे बड़ा धक्का लगा। अन्ततः मैने इंटरनेट पर डा. ली के सदेंशो को खोजा और उन्हे सुना। मै एक सच्चा मसीह बन गया जो अपने हृदय के पवित्रिकरण करने के लिए अपने खूब प्रयास कर रहा है और बहुतों की अगुवाई भी कर रहा हूँ।

उनकी माँ ताज़िनिया तबारानू, जो एक गभींर फेफड़े की समस्या से मर रही थी, उसने आराधना सभा के दौरान रिकार्डेड डा. ली की प्रार्थना प्राप्त करने के बाद चंगाई प्राप्त की।

डीकननेस सूंजा चो, उम्र 63, फलोरिडा यू एस ए से, वह बाइबल के ऊपर आधारित नर्क उपदेशों की निरंतरता को देखकर बहुत ही दंग रह गई। उसके बाद उसने मानमिन सेंट्रल चर्च की वेबसाइट से डा. ली के संदेशो को सुना और पवित्र आत्मा की भरपूरी प्राप्त की। उसने यह अंगीकार किया कि, यदि मै डा. ली से नही मिलती तो मै यह सोच बैठती कि मै स्वर्ग के मार्ग पर हूँ जबकि ऐसा नही था। उसने डा. ली के सदेंशो को अपनी अमेरिकन दोस्त और रिश्तेदारों को दिये और जीवन की रोटी को उनके साथ बांटा।

हर वर्ष परमेश्वर ने स्वर्ग और नर्क पर अधिक से अधिक विस्तृत स्पष्टिकरण दिये है। डा. ली को दिये गये स्पष्टिकरण को दो पुस्तकों में संग्रहित किया गया है। वे दो खंड, स्वर्ग 1 और स्वर्ग 2 और नर्क है। स्वर्ग 1 का अनुवाद और वितरण 32 भाषाओं में किया जा चुका है और स्वर्ग 2 का 21 भाषाओं मे। पुस्तक नर्क का अब तक 34 भाषाओं में है।

ये पुस्तके राष्ट्रभर में, कोरिया के क्योबो बुक सेंटर, योंगपूंग बुक स्टोर, और येस 24 में उपलब्ध है जो कि विश्व के सबसे बडें पुस्तक भंडारों में से एक है। बेकर और टेलर पुस्तकालय यू एस में, और एंकर एक मसीह पुस्तकालय। ये पुस्तके विश्वभर में वितरित की जा चुकी है। साथ ही साथ उनके e-book अभिरूप भी, किंडल, आईबूक्स और गूगल प्ले पर उपल्बध है।

goodreads.com वेबसाई पर एक पाठक, पुस्तक की समीक्षा कर, इस प्रकार से कहता है कि "जिस क्षण से मैने पुस्तक को खोला, अदभूत और सामर्थी सदेंशो ने मुझे आकर्षित कर दिया। मैने महसूस किया कि डा. जेरॉक ली की परमेश्वर के साथ गहरी संगति है और उन्होने अदन की वाटिका के विषय में, स्वर्गीय निवास स्थान के विषय में जो कि प्रत्येक को उनके विश्वास के परिमाण के अनुसार दिये जाते है, स्वर्गीय जीवन के बारे में, वातावरण के साथ साथ सोने की सड़क, बादल की कारें, और स्वर्गदूत जो स्वर्गीय नागरिकों की सेवा करतें है, के विषय में सम्पूर्ण स्पष्टिकरण दिया है।


स्वामी–मानमिन सेंटर दिल्ली के लिए, प्रकाशिक मुद्रक : रवि आगस्टीन के द्वारा, डान बोस्को फॉर प्रिंटिंग एंड ग्राफिक ट्रनिंग डोन बोस्को टेक्निकल इंस्टीच्युट ओखला रोड़ दिल्ली 110025 सुखदेव मेट्रो स्टेशन के पास, से मुद्रित एंव 24 सी, पोकेट–ए, जी टी बी एन्क्लेव दिल्ली 110093 से प्रकाशित, संपादक – रवि आगस्टीन

# केवल यीशु ही हमारे उद्धारकर्ता कैसे है?

सीनीयर पास्टर
डा. जेरॉक ली

और किसी दूसरे के
द्वारा उद्धार नहीं;
क्योंकि स्वर्ग के नीचे
मनुष्यों में और
कोई दूसरा नाम नहीं
दिया गया,
जिस के द्वारा
हम उद्धार पा सकें।।
(प्रेरितों के काम 4:12)

जिस प्रकार से इस संसार के नियम है जहां हम रहते है उसी प्रकार से आत्मिक क्षेत्र के भी नियम है। उनमें से एक नियम यह है कि पापियों के छुटकारे के लिये एक दाम चुकाना आवश्यक है। जबकि यह दाम किसी के भी द्वारा नही चुकाया जा सकता है। उद्धारकर्ता, आत्मिक क्षेत्र के नियम के अनुसार योग्य होना चाहिए।

तो फिर योग्यताऐं क्या है?

### 1. पापों की समस्या का समाधान करने के लिये आत्मिक नियम का लागू होना।

मनुष्य के लिये उद्धार का मार्ग भूमि की छुड़ौती के नियम में मिलता है यह इज्राएल में भूमि के लेनदेन से सम्बधित है जहां यीशु का जन्म हुआ।

लैव्यव्यवस्था 25:23–25 भूमि सदा के लिये तो बेची न जाए, क्योंकि भूमि मेरी है; और उस में तुम परदेशी और बाहरी होगे। लेकिन तुम अपने भाग के सारे देश में भूमि को छुड़ा लेने देना। यदि तेरा कोई भाई बन्धु कंगाल होकर अपनी निज भूमि में से कुछ बेच डाले, तो उसके कुटुम्बियों में से जो सब से निकट हो वह आकर अपने भाईबन्धु के बेचे हुए भाग को छुड़ा ले।

आधारभूत रूप से पूरी भूमि परमेश्वर से संम्बधित है। भूमि स्थाई तौर पर नही बेची जा सकती है। यहां तक कि यदि किसी व्यक्ति ने गरीब हो जाने की वजह से अपनी भूमि बेच दी। अगर उसका नजदीकी सम्बंधी उसका मूल्य चुकाना चाहता है, तो भूमि वापस उसकी हो जाऐगी। भूमी की छुड़ौति के इस नियम में मनुष्यों के बचाने का रास्ता निहित है। आइऐ इस बारे में देखें।

भूमि संबंधी नियम जो कि परमेश्वर की ओर से है एक आत्मिक नियम है। जो कि सीधे तौर पर मनुष्य से संबधित है। जिसकों भूमि की मिट्टी से बनाया गया है (उत्पति 3:19)।

आदम और उसका अधिकार भी परमेश्वर से सम्बधित है। और स्थाई तौर पर नही बेची जा सकती है।

जैसे ही आदम ने पाप किया वह शत्रु शैतान का दास बन गया और आदम के सारे अधिकार शैतान के पास चलें गऐ। यद्यपि आदम जो शैतान को चला गया था वो वापस देना अवश्य था यदि कोई उसे छुड़ाने के योग्य हो। आइये उन चार योग्यताओं के बारे में गहराई से देखें जो हमारे उद्धारकर्ता में भूमि के छुड़ाने के नियम के अनुसार होनी चाहिऐ।

### 2. भूमि की छुड़ौती के नियम के अनुसार उद्धारकर्ता की चार योग्यताऐं।

#### प्रथम वह मनुष्य होना चाहिऐ।

#### जब एक व्यक्ति अपनी भूमि बेचता है,

तो उसके कुटुम्बियों में से जो सबसे निकट हो वह उसको वापस उसके लिऐ खरीद सकता है। (लैव्यव्यवस्था 25:25) उसी प्रकार उन मनुष्यों का उद्धारकर्ता होने के लिऐ जो कि आदम के पाप के कारण शैतान को बेच दिये गये थे को आदम का निकततम कुटुम्बी उस मनुष्य तो कि आदम की तरह आत्मा, प्राण और शरीर का बना हुआ हो को दर्शाता है। क्योंकि न ही कोई स्वर्गदूत और न ही कोई जानवर हमें पापों से नही छुड़ा सकता।

1 कुरिन्थियों 15:21 क्योंकि जब मनुष्य के द्वारा मृत्यु आई; तो मनुष्य ही के द्वारा मरे हुओं का पुनरूत्थान भी आया। यह इसलिऐ कि पहले मुनष्य आदम के द्वारा पाप आया, जो पापों के लिऐ मुल्य चुकाऐं और मनुष्यों को पापों से छुड़ाऐं उसका मनुष्य होना आवश्यक है। इसको पूरा करने के लिए यीशु देहधारी होकर आया। यूहन्ना 1:14 कहता है, और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उस की ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा। युहन्ना 1:1 कहता है कि वचन परमेश्वर था। इसका अर्थ है कि परमेश्वर जो कि वचन था देहधारी हुआ और इस पृथ्वी पर आया। यीशु देहधारी होकर पृथ्वी पर आया। उसने भूख, प्यास, खुशी और उदासी का अनुभव किया। जब उसको कोड़ें मारे गऐं और उसका कूसीकरण किया गया तब उसने अपना लहू बहाया और दर्द का अनुभव किया। यह यीशु का पृथ्वी पर देहधारी होकर आने को प्रमाणित करता है।

#### दूसरा, वह आदम का वंशज नही होना चाहिऐ।

एक बच्चा अपने माता पिता से उत्तराधिकार में केवल बाहरी रंग रूप और व्यक्तित्व ही नही पाता है बल्कि साथ ही साथ उनका पापमय स्वभाव भी। जब एक नवजात शिशु अपनी माता को किसी अन्य बच्चे को दूध पिलाते हुए देखता है वह दूसरे बच्चे को अपनी माता से दूर हटाता है। उसके बाद वह आंसुओं से भर जाता है। नवजात शिशु को किसी ने बैर, इर्ष्या और जलन नही सिखया। उसे स्वभाविक रूप से उसको उत्तराधिकार में मिले है। इस प्रकार का पापमय स्वभाव मूल पाप कहलाता है।

सभी मनुष्य एक पुरूष और एक स्त्री के अण्डाणु और शुक्राणू के युग्म से बने है। इस प्रकार सभी मनुष्यों को विरासत में अपने पूर्वजों से और माता पिता से मूल पाप मिला है। लेकिन यीशु पवित्र आत्मा द्वारा गर्भ में आया उसने कंवारी मरियम के शरीर को केवल उधार लिया। (लूका 1:26–38)। यीशु पृथ्वी पर आदम के वंशज के रूप में नही आया जिसने कि पाप किया था।

#### तीसरा, उसके पास आत्मिक सार्म्थ्य होनी चाहिए।

कल्पना कीजिऐ कि आपका साथी सैनिक दुश्मन के द्वारा पकड़ लिया गया है और आप उसे बचाना चाहते है। तो उसको बचाने के लिए आपके पास काफी सार्म्थ्य होनी चाहिए। इसी प्रकार मनुष्यों को पाप से छुड़ाने के लिऐ, उद्धारकर्ता के पास शत्रु शैतान को हराने और उनको बचाने के लिऐ सार्म्थ्य होनी चाहिऐ।

आत्मिक राज्य में सार्म्थ्य उसको दी जाती है जो कि पूरी तरह से निष्पाप हो। जिसमें न तो मूल पाप हो और न ही उसके स्वयं के द्वारा किया हुआ पाप हो। वही शैतान को हरा सकता है मूल पाप उस पापमय स्वभाव को दर्शाता है जो आदम के वंशजों द्वारा आया है। और स्वयं के पाप उन पापों को दर्शाता है जो लोगों ने स्वयं अपने जीवन में किये है।

सभी मनुष्यों में मूलपाप है और स्वयं के किये हुऐ पाप भी। इसलिऐ किसी मनुष्य में सामर्थ्य नही जो दूसरों का उद्धार कर सकें। तथापि यीशु पवित्र आत्मा द्वारा गर्भ में आया और वह परमेश्वर के वचन के अनुसार चला । उसमें न तो काई मूल पाप था और न ही कोई स्वयं के द्वारा किया हुआ कोई पाप था।

मनुष्य पृथ्वी पर अपना जीवन जीने के दौरान अनेकों पाप करतें है। वे किसी के प्रति अपने हृदय में घृणा कर सकतें है या ईर्ष्या महसूस कर सकते है। यद्यपि प्रकट में कोई पाप नही करतें है लेकिन हृदय में ऐसा महसूस करना भी परमेश्वर की नज़र में पाप है (मती 5:28, यूहन्ना 3:15) इस प्रकार कोई भी पापरहित नही है।

#### चौथा, अपना जीवन तक देने वाला प्रेम होना चाहिऐ।

मान लीजिऐ कि कोई एक व्यक्ति इतना अमीर है कि वह अपनी बहन का ऋण चुका सकता है फिर भी यदि उसके हृदय में उसके लिऐ प्रेम नही है तो वह उसकी मदद नही करेगा। इसी प्रकार यदि यीशु हमसे प्रेम नही करता तो वह हमारे लिऐ छुड़ौती न देता। क्योकि छुड़ौती के लिऐ उसके असीम बलिदान की आवश्यकता होती है। उसको प्राण दण्ड दिया गया जैसे एक अन्य पापी को दिया जाता है। उसकी हंसी उड़ाई गई और उसकी निन्दा की गई और अन्त में वह कूस पर मारा गया।

यीशु जो परमेश्वर का पुत्र था उसने कूस की यातना सही और पापियों के लिऐ मरा। यह सब उसने हमारे लिऐ किया। यह सच में महान प्रेम है। मनुष्यों को पाप से छुड़ाने के लिऐ यीशु ने अपने प्राण तक दे दिये। उसने अपनी इच्छा से कूस की यातना सही परमेश्वर की उद्धार की योजना को पूरा करने के लिए जो कि सब लोगों को बचाने के लिऐ थी। यह उसी प्रकार है जैसा 1 यूहन्ना 2:2 कहता है और वही हमारे पापों का प्रायश्चित्त हैः और केवल हमारे ही नहीं, वरन सारे जगत के पापों का भी।

मसीह में प्यारे भाइयों और बहनो, बहुत से लोग ऐसे थे जिनको संत कहा गया, लेकिन उनमें से कोई भी न तो अपने पापों की समस्या सुलझा पाया और न ही दूसरों के पापों की। कुछ लोग कहते है कि सभी धर्मो में उद्धार का मार्ग है लेकिन यह सच नही है (यूहन्ना 14:6)

यह इसलिए कि मनुष्यों के उद्धार के लिऐ आत्मिक नियम के अनुसार चार योंग्यताऐं है। अन्य कोई नही केवल यीशु में ही उद्धारकर्ता कि वे चार योग्यताऐं है। इस प्रकार केवल यीशु मसीह ही हमारा उद्धारकर्ता है। मै प्रभु के नाम से प्रार्थना करता हूँ कि आप ऐसा विश्वास करेंगें और पवित्र आत्मा पाऐं और उद्धार पाऐं।

# विश्वास के साथ कुछ भी अंसभव नहीं।

परमेश्वर अपने बच्चों को उत्तम वस्तुऐं देना चाहता है। बहुत से विश्वासियों की गवाही है क्योंकि उन्होने परमेश्वर की सामर्थ्य पर विश्वास किया और निर्भर हुऐ।

## "मैने पाशर्वशूल से चंगाई पाई जो कि निमोनिया की वजह से हुआ था।"

डीकन क्वांग्वू ली, उम्र 44, मानमिन सैंट्रल चर्च

9 फरवरी 2017 को मैने अपनी बांई ओर दर्द महसूस किया। समय के साथ यह बदतर होता गया। जब मै गहरी सांस लेता या खांसता था तो उठ या बैठ नही पाता था। 11 फरवरी को दर्द बहुत गंभीर था कि न तो मै बैठ पा रहा था और न ही लेट पा रहा था। मै पूरी रात जगा रहा। ओटोमेटिक रिस्पान्स सर्विस (ARS) पर सीनियर पास्टर डा. जेरॉक ली की रिकार्ड की हुई प्रार्थना ग्रहण करने के बाद दर्द थोड़ा कम हुआ।

12 फरवरी को जब मैने रेव. हिसन ली की रूमाल की प्रार्थना जिस पर डा. ली ने प्रार्थना की हुई है (प्रेरितों के काम 19:11–12) ग्रहण की तो जंहा मुझे दर्द हो रहा था मैने कुछ ठण्डक महसूस की। उस रात को मै ठीक से सो पाया और अब दर्द लगभग नही था।

13 फरवरी को मै अस्पताल गया और सी टी स्कैन करवाया। डाक्टरों ने मुझे बताया कि दस दिन पहले निमोनिया हुआ था जिसकी वजह से पाशर्वशूल बन गया। उसने मुझे अस्पताल से इलाज कराने को कहा। उसने मुझे बताया कि यदि मै ऐसा नही करता हूँ तो यह मेरे लिए खतरनाक होगा। यदि मै ऐसा नही करता हूँ तो पाशर्वशूल बिना चिकित्सा के आसानी से ठीक नही होता है। मै दृढ़ था और विश्वास से चंगा होना चाहता था।

उस रात मै दानियेल प्रार्थना सभा में गया। मैने पश्चाताप किया कि मैने दूसरों को समझा नही और दूसरों के प्रति असुविधा की, दुर्भावना रखी, बैर किया। मैने आंसुओं सहित पश्चताप किया। उसके बाद दर्द पूरी तरह से चला गया और मै बिना किसी परेशानी के रहने लगा।

17 फरवरी को मैने फिर से जाँच कराई। डाक्टर ने कहा कि निमोनिया नही है और न ही पार्श्वशूल है कोई निशान भी नही दिख रहा है। उसने कहा मै सामान्य हूँ । हाल्लेलुयाह!

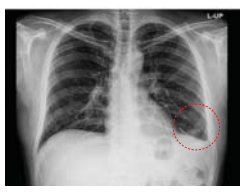

↑ असामान्य कोस्टोफरेनिक्स बहुत से छिद्र पसली और झिल्ली।

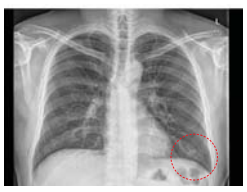

↑ सामान्य कोस्टोफरेनिक्स

## मै गंभीर अवसाद से चंगी हुई

पास्टर सिंथिया कैकमिलन, उम्र 57 सिडनी मानमिन चर्च, आस्ट्रेलिया।

जुलाई 2016 के बाद, बड़ी धनराशी से धोखा खा लेने के बाद मै अवसाद ग्रस्त हो गई। मैने अपनी मूर्खता का पश्चताप किया और दिन और रात आंसुओं सहित प्रार्थना की। मै गहरे दुख दर्द की वजह से सो नही पाती थी। मेरा वज़न घट गया और दिल की धड़कन तेज़ हो गई। जब मै अपनी समस्या का समाधान तलाश रही थी तो मेरे चर्च के पास्टर पीटर बी ने मुझे कोरिया जाने और सिनियर पास्टर डा. जेरॉक ली से मिलने की सलाह दी। अक्टूबर के शुरू में मै मानमिन सैंट्रल चर्च की 34वीं सालगिरह पर मानमिन सैंट्रल चर्च पहुंची। धन्यवाद के साथ मैने सिनियर पास्टर से हाथ मिलाया। जब से उत्सव का आयोजन पूरी गरिमा में था मै ऐसा अनुभव कर रही थी जैसे मै स्वर्ग में हूँ। जब मै वापस आस्ट्रेलिया आई तो मैने अनुभव किया कि अवसाद जिसने मुझे बहुत परेशान किया था गायब हो गया था। अब मुझे शांति थी और अब मै अनिंद्रा से पीड़ित नही थी। मैने आर्थिक आशीषें भी प्राप्त की और मैने अपना काफी कर्ज चुका दिया। मै स्वर्ग की आशा के साथ जीने से खुश हूँ। हाल्लेलुयाह!

## 42 वर्षो के बाद मै सुनने के योग्य हो पाया।

वरिष्ठ पास्टर जियांगनिम क्वाक, उम्र 61 साल, न्यु ग्वैगंजू मानमिन चर्च

जब मै 21 वर्ष की थी, मेरी गर्दन में एक सूजन थी। यह सर्जरी द्वारा दूर की गई। सर्जरी के दौरान मेरी गर्दन में और कानों मे नसें क्षतिग्रस्त हो गई। और मेरे कान दिन रात बजने लगे। हास्पिटल ने कहा कि यदि एक बार नसें क्षतिग्रस्त हो जाऐ तो उनको ठीक करना असंभव है। मैने इसे सहने की कोशिश की लेकिन हकीकत बड़ी कठोर दिख रही थी। हालॉकि मै ठीक से सुन नही सकती थी, मैने अपना दर्द किसी को भी प्रकट नही किया, स्वयं ही अकेले सहती रही।

मार्च 2016 में महिला मिशन की सम्पर्ण सभा में शामिल होने के लिए मै सैंट्रल चर्च सियोल में मुख्य भवन में शामिल हुई। जब मै डा. ली के संदेश को सुन रही थी अचानक मैने अपने बाऐं कान में मच्छर की आवाज़ को सुना। मैने आगे बैठी एक पास्टर से पूछा की क्या आप ने मच्छर की आवाज़ को सुना है, उसने कहा कि यहां मच्छर हो ही नही सकता है। इसलिए मैने सोचा कि मैने कुछ गलत सुना है। और मैने इसे गंभीरता से नही लिया। कुछ देर बाद मैने आवाज़ को फिर से सुना। मैने अपने कान के पास से मच्छर भगाने के लिऐ हाथ को घुमाया। तीसरी बार फिर वैसा ही हुआ। वही आवाज़ मुझे फिर से सुनाई देने लगी। तब अचानक मेरे आसपास सब शांत हो गया और जल्दी ही मैने अपना कान खुला हुआ महसूस किया। मै सीनियर पास्टर की आवाज़ साफ और तेज़ सुन पा रही थीं। 42 सालों के बाद मेरी सुनने की सामर्थ्य फिर से वापस आई। हाल्लेलुयाह!

## "मै कंपकपी, साँस की समस्या और हेपेटाइटिस सी से आजाद हुआ।"

भाई चेन्दसुरेन, उम्र 36 साल, मगोंलिया मानमिन चर्च

2011 में मुझमें हेपेटाइटिस सी के लक्षण पाऐ गये। मै अपने गुर्दे, दिल और तिल्ली के ठीक से कार्य न करने से पीड़ित था। मेरे पूरे शरीर पर ठंडा पसीना आता था। मेरे दिल में तेज़ दर्द होता था। जब मैं सीढ़िया चढ़ता था तो हांफता था। मुझे दैनिक जीवन में बहुत समस्याऐं थी। मैने हास्पिटल में इलाज कराया, निश्चित खुराक ली लेकिन कुछ भी बदलाव नही आया।

इसी बीच 2015 में मैने मंगोलिया मानमिन चर्च जाना शुरू किया। मैं अचानक सांस की कमी और कंपकपी से चंगा हो गया। पिछले 15 सालों से हर रात मुझे सांस लेने में परेशानी होती थी। मै दर्द के डर में रहता जीवन जी रहा था। जब मैने पास्टर बोटजोरिग द्वारा रूमाल की प्रार्थना, जिस पर डा. ली ने प्रार्थना की हुई थी (प्रेरितों के काम 19:11–12) ग्रहण की, मुझे तुरन्त चंगाई मिल गई। चर्च जाने के ठीक बाद जैसे ही मैने परमेश्वर की सामर्थ्य का अनुभव किया मुझे जीवित परमेश्वर पर विश्वास हो गया। जी सी एन पर सीनियर पास्टर का संदेश सुनने के दौरान मैने महसूस किया कि मैने बहुत पाप किये थे।

दिसम्बर 2016 में मैने 31 दिन का उपवास व प्रार्थना का एक संकल्प लिया। मेरे मुंह से खून तक बहा लेकिन विश्वास के साथ में परेशानियों से उभर आया। उपवास के बाद कई बार लहू बहा लेकिन मैने परवाह नही की।

28 जनवरी 2017 को मैने चर्च की रूमाल चंगाई सभा में प्रार्थना ग्रहण की। उसके बाद लहू बहना बंद हो गया। इससे भी चौकानें वाली बात यह थी कि अस्पताल के मेडिकल चैकअप के परिणाम के अनुसार मै कंपकपी, सांस की समस्या, और हेपेटाइटिस से ठीक हो गया था

मेरा गुर्दा, दिल और तिल्ली सामान्य है। हाल्लेलुयाह!

# परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा उच्च्तम मार्ग पर मेरी अगुवाई हुई।

एल्डर जंगसुक हन, उम्र 57
पेरिश.18, मानमिन सेंट्रल चर्च

23 सालों तक एल जी **(LG)** के लिये प्रंबधक के तौर पर कार्य करने के बाद मुझे जापानी सेमीकन्डटर कंपनी में भेज दिया गया और वहां पर मैने विकास मुख्य निदेशन के बतौर कार्य किया। सितंबर 2016 मे, वहां पर 9 सालों तक कार्य करने के बाद मुझे सूचना दी गई कि मेरा अनुबंध अब फिर से दोहराया नही जाएगा। उन्होने प्रंबधन को बदलने का निर्णय ले लिया, क्योकि कोरिया की खराब अर्थव्यवस्था के कारण उनकी कंपनी को नुकसान हो रहा था।

इसके बारे में मैने सिनीयर पास्टर डा. जेरॉक ली को बताया। उन्होने मेरे लिये प्रार्थना की, कि बेहतरीन मार्ग पर मेरी अगुवाई हो सकें। फिर मैने निर्णय लिया कि मै सोशल नेटवर्क, जिसे मैने स्थापित किया था और इसके नियोजको से मदद प्राप्त करूंगा। मै योजनाओं को बनाने और उन्हे कार्यन्वित करने में व्यस्त हो गया। मेरी अपेक्षाओं के भिन्न, जैसे मै चाहता था ऐसा कोई प्रस्ताव नही आया। जनवरी 2017 से मैने सी इ ओ के बतौर मेरे जानने वाले के व्यापार के कार्य करना शुरू किया। क्योंकि यह मेरा कार्य क्षेत्र नही था इस कारण मै काम से खुश नही था। बीते अनुभवों के कारण मै सोचता हूँ कि, प्रार्थनाओं मे परमेश्वर से मागने के बजाय मैने स्वयं से करने की कोशिश की। इसी बीच 20 फरवरी से विषेश दानियेल प्रार्थना सभा शुरू हो गई। आशिशों का फल प्राप्त करने के लिये मैने इमानदारी से प्रार्थनाएं की और पूरे 42 दिनों तक प्रार्थनाओं को अर्पण किया।

प्रार्थना के एक सत्र के बाद मुझे 2 कंपनियों से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हुए लेकिन उनकी दृष्टि में मेरा कार्यनुभव बहुत ज्यादा था। आकस्मिक कारणों से वह प्रस्ताव वापस ले लिया गया।

मैने विश्वास किया कि परमेश्वर सिनियर पास्टर की प्रार्थनओं के अनुसार मेरी अगुवाई करेंगे और मैने और भी अधिक परमेश्वर पर निर्भर रहते हुए प्रार्थना की। दानियेल प्रार्थना सभा के अंतिम सप्ताह के 40वें दिन, मुझे एल जी **(LG)** इलेक्ट्रानिक्स से जनरल मेनेजर के तौर पर कार्य करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। एक मान्यता प्राप्त पूर्जो की कंपनी जिसने कि सार्वजनिक तौर पर KOSDAQ को हासिल कर दिया था। इसकी बिक्रि 100 मिलियन डॉलर पहुँच तक गई। CEO ने मुझ से, जो कुछ मै चाहता था पूछा और उसने मेरी सभी बातों को मान लिया। 1 अप्रैल से मुझे पद ग्रहण कराया गया। हाल्लेलुयाह!

मै सारा धन्यवाद और महीमा परमेश्वर को देता हूँ जिसने मुझे सिखाया कि उस पर भरोसा रखना क्या है और उच्च्तम मार्ग पर मेरी अगुवाई की।

# गर्भधारण की आशिश के लिये समय और स्थान पर प्रबल प्रार्थनाओं के द्वारा मै मां बन पाई।

बहन कविता, उम्र 25, दिल्ली मानमिन चर्च, भारत

मार्च 2013 में, और मै एक आनन्द से भरा नवविवाहित जीवन जी रही थी। बाद में मेरा गर्भपात हो गया इस कारण से बहुत सी कोशिशों के बावजूद भी मै गर्भधारण नही कर पाई। डाक्टरी जाँच में डाक्टर ने कहा कि मै बच्चा नही जन्न सकती। वह कारण तक नही जानता था। यह मेरे लिये बहुत ही दर्दनॉक था।

मेरे पति ने मुझे तस्सली दी और एक अनुभवी डाक्टर के पास जाने की सलाह दी। मै बहुत सारे चिकित्सको के पास गई लेकिन सभी का जवाब एक सा था। मेरे सपने बिखर गये और मेरे पास अब कोई आशा नही थी। हमने प्रजनन्न क्लीनिक में बहुत से पैसे खर्च किये इस कारण हम कर्ज में डूब गये। इस दुखभरी परिस्थिति में मै दिन भर रोती रहती थी। जिसकी वजह से मुझे गंभीर सिर दर्द रहने लगा था। इसी बीच मेरे एक जानकार से मुझे एक खुशखबरी मिली। वह मानमिन चर्च के सिनियर पास्टर डा. जेरॉक ली के द्वारा सामर्थ्यी कार्यों के प्रदर्शन की बातें कर रही थी। उसने मुझसे कहा कि यदि मै उनकी प्रार्थनओं को ग्रहण करती हूँ तो मुझे बच्चा हो जाएगा।

उस समय मै इतनी कमजोर थी की एकाएक गिर जाती थी। और न ही मै अच्छे से खा पाती थी। 2013 की सर्दियों में, मै पहली बार मेरे परिवार वालों की मदद से दिल्ली मानमिन चर्च में गई। मैने रूमाल द्वारा (प्ररितों 19:11–12), पास्टर जोन किम से प्रार्थनाओं को ग्रहण किया। आश्चर्यजनक रूप से मै तुरन्त ही अच्छे प्रकार से खाना खाने लग गई और मेरा स्वस्थ्य ठीक हो गया। और मै एक सामान्य जीवन व्यतीत करने लग गई।

इस अनुग्रह के लिये धन्यवादी होकर मैने परमेश्वर के वचनानुसार जीवन जीने की कोशिश की और अपने परिवार में, पडोंसियों में परमेश्वर और प्रभु के अनुग्रह और डा. ली द्वारा प्रकट सामर्थ्यी कार्यों को बांटने की कोशिश की। मेरे परिवार और रिश्तेदार भी चर्च आए। बाद में मेरे हृदय में सिनियर पास्टर से प्रार्थनओं को ग्रहण करने की प्रेरणा प्राप्त हुई।

▲ बहन कविता का परिवार (बांए ओर)
अपनी बहन, जीजा, भतीजा और भतीजी के साथ

मार्च 2016 के मध्य में, मैने सिनियर पास्टर से प्रार्थना प्राप्त करने के लिये, मानमिन सेंट्रल चर्च मे प्रार्थना विनती भेजी। उनकी प्रार्थना के बाद 1 महीने से भी कम समय में मैने गर्भ धारण कर लिया। 19 जनवरी 2017 कों मैने बहुत ही सुन्दर और स्वस्थ लड़की को जन्म दिया। हाल्लेलुयाह!

सिर्फ इतना ही नही, मेरे पति का पैसा जो कि उनके कार्य स्थान से प्राप्त नही हो रहा था वह भी उन्हे मिल गया। हम अपना सारा कर्ज चुका पाए। मै सारा धन्यवाद और महीमा परमेश्वर को देती हूँ जिसने मेरे दुख को शान्ति में बदल दिया। मै सिनियर पास्टर को भी धन्यवाद देती हूँ जिन्होने मेरे लिये प्रार्थना की।

# मैने मंददृष्टि, पुराने सिरदर्द और कमजोर आखों की दृष्ठि से चंगाई प्राप्त की।

डीकन सीओंगक्यु किम, उम्र 46 पेरिश 2, मानमिन सेंट्रल चर्च।

शरूआती किशोरवस्था में, जब मै कार बनाने का काम करता था, वेल्डिंग की एक चिंगारी मेरी दांहिनी आँख में चली गई। तब से मेरी दृष्टि घटती गई। जब मै दूर देखता था तो ऐसा प्रतीत होता था मानो हवा मेरी दांहिनी आँख में झिलमिला रही है। इसके कारण मुझे गभींर सिरदर्द होता था। मेरी बांहिनी आँख भी कमजोर हो रही थी इस कारण मेरी आंखों की दृष्टि 0.8/0.2 थी।

जब मै गाड़ी चलाता था मुझे चश्में का इस्तेमाल करना पड़ता था। दोनो आंखो की दृष्टि में अन्तर होने के कारण मुझे सिर दर्द होता था। पुस्तकों को पढ़ने के साथ साथ किसी पर भी फोकस करना मेरे लिये मुश्किल होता था। जब अधेंरा हो जाता था तो दिखना और भी मुश्किल हो जाता था। मै वास्तविकता में इससे चंगाई पाना चाहता था। अगस्त 2016 में समर रिट्रिट के दौरान मैने लालसा भरे हृदय के साथ सीनियर पास्टर डा. जेरॉक ली के द्वारा बीमारों के लिये प्रार्थनओं को ग्रहण किया। और मुझे यह विश्वास प्राप्त हुआ कि मेरी दृष्टि अच्छी हो जाऐंगी। बाद में हमेशा की तरह जब मै आराधना सभा में शामिल था तो मोनिटर पर लिखे शब्द पहले से अलग अब साफ नज़र आ रहे थे। यहां तक कि रात को भी मुझे अच्छा दिखाई देने लग गया।

21 अक्टूबर को मेरी आंखो की जाँच ने दिखाया कि मेरी आंखों की दृष्टि 1.2/0.7 हो गई है। मै सारा धन्यवाद और महीमा परमेश्वर को देता हूँ।

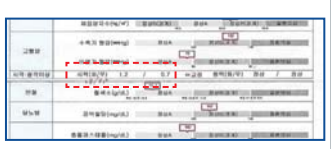

▲ उनकी आखों की दृष्टि में सुधार
0.8/0.2 से 1.2/0.7.

YouTube
Youtube के माध्यम से सीधा प्रसारण
Subscribe करें : Delhi Manmin Center
हिन्दी भाषा में सीधा प्रसारण : www.manmin.in
अन्य संदेशो को प्राप्त करने एवं प्रार्थना विनति भेजने के लिये आप हमारी वेबसाइट पर Log On कर सकतें है व हमें सम्पर्क कर सकते है।

दिल्ली मानमिन चर्च
आराधना सभा समय सारणी
रविवार पहली सभा : सुबह 8 बजे।
रविवार्य दूसरी सभा : सुबह 11 बजे।
शुक्रवार रात्रि सभा शाम 7:30 बजे।
099716 24368
090133 12839
blessing@manmin.in

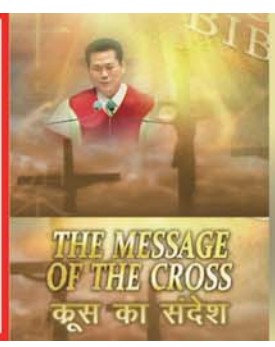


airtel digital TV 694 Subhsandesh TV
SHUBHSANDESH TELEVISION
क्रूस का संदेश
सीधा प्रसारण शुभसंदेश टेलेविज़न पर
हर शनिवार प्रातः 6:30 बजें
पुस्तक प्राप्त करने हेतू सम्पर्क करें